Title: Need to reconsider the inclusion of the Udhamsingh Nagar and Hardwar in Uttaranchal State.

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, ऊधमसिंह नगर में तनाव है। जब उत्तरांचल राज्य का विधेयक इस सम्मानित सदन में पेश किया गया था तो उस समय भी हम लोगों की यह राय थी कि ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार के लोगो को विश्वास में लेने का काम होना चाहिए। ऊधमसिंह नगर को उत्तरांचल में मिलाये जाने के खिलाफ वहां के लोगों ने 72 घंटे का जाम लगाया है। वहां का जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, वहां बंद हुआ। वहां के लोग अपने को उत्तर प्रदेश में रखना चाहते हैं, यह वहां के लोगों की ख्वाहिश है। यह एक बहुत गंभीर मामला है। श्री जॉर्ज फर्नांडीज की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी थी, जिसके सद्स्य उत्तर प्रदेश और पंजाब के मुख्य मंत्री थे। शिरोमणि अकाली दल ने भी इस पर ऐतराज व्यक्त किया है और कहा है कि जॉर्ज साहब की सदन में निजी राय थी, उस कमेटी की कोई सामूहिक राय नहीं थीं। ऊधमसिंह नगर के लोग उत्तर प्रदेश में रहना चाहते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : यह जीरो ऑवर है, इसमें भाषण मत करिये।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि इस मामले मे लोगों की इच्छा के अनुकूल ही फैसला लिया जाए और उत्तर प्रदेश में हू उधमसिंह नगर को रहने की उनकी ख्वाहिश को पूरा करने का काम किया जाए।